# प्रादेशिक समाचार एकांश, दूरदर्शन मध्यप्रदेश गुड न्यूज मध्यप्रदेश बुलेटिन 50वें अंक के अवसर पर माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का जनता के लिये संदेश।

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि डीडी न्यूज़ का मध्य प्रदेश प्रादेशिक समाचार एकांश दूरदर्शन मध्य प्रदेश की सकारात्मक खबरों को लेकर अपना विशेष बुलेटिन गुड न्यूज़ मध्यप्रदेश का प्रसारण कर रहा है। हर्ष का विषय है कि यह विशेष बुलेटिन अपने प्रसारण के 50 एपिसोड पूरे कर रहा है। इसका एक साल से अधिक समय से चलना यह दर्शाता है कि जनता सरोकारी प्रयासों को समाज में आगे बढ़ाना चाहती है। सकारात्मकता से भरी खबरें लोगों का मनोबल बढ़ाती हैं।

दर्शकों, समाज की विविध खबरों के बीच कुछ ऐसी खबरें भी होती है जो देखने में भले ही छोटी हो लेकिन यह किसी व्यक्ति, संस्था या संगठन के अथक प्रयासों की बानगी होती है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों ही समाज का आईना होते हैं जो केवल समाज में हो रही घटनाओं को दिखाने के साथ समाज को एक नई दिशा भी दे सकते हैं। एक स्वस्थ और बेहतर समाज से देश का निर्माण होता है।

मध्यप्रदेश में डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में विभिन्न अंचलों के भ्रमण के दौरान सरकारी, गैर सरकारी, व्यक्तिगत और संस्थागत क्षेत्र में परिश्रम और नई सोच के साथ यह बेहतर कार्य देखा और समझा है। देवास के किसान श्री नारायण सिंह सैंधव ने अपनी 62 एकड़ भूमि को जैविक खेती के हवाले कर रहा है यह पुरानी पारंपरिक बुआई का अनुपम उदाहरण देखने को मिलता है। उनका पूरा रक़बा खेती-किसानी से संबंधित नवाचार से परिपूर्ण है। गुड़ के उपयोग से बहुत गुणकारी जैविक खाद का निर्माण एवं छिड़काव किया जाता है। नारायण जी ने जीवमृत खाद को खेत की मिट्टी के अनुसार तैयार किया है। उनकी खेती का सबसे आकर्षक पहलू था उन्होंने एक पारंगत व्यवसाय की तरह आय, व्यय के लिए रजिस्टर का संधारण किया हुआ है। खेती उनके लिए मुनाफ़े का कार्य है।

झाबुआ जिले के छोटे से गांव सारंगी के किसान श्री बलराम पाटीदार ने लगन और समर्पण से खेती के क्षेत्र में वह कर दिखाया है जो हम सब के जीवन के लिए प्रेरणा का केंद्र है। मात्र डेढ़ एकड़ से शुरू की गई खेती आज 25 एकड़ में बदल गई है। उनके पास खेती करने के तौर-तरीके और ज्ञान का भंडार है उन्होंने आधुनिक खेती की जानकारी के लिए अनेक देशों की यात्रा की है। इस ज्ञान को वे औरो के साथ बाँटते भी हैं। उनके द्वारा बनाए गए एक यंत्र से बोनी करने पर ढाई गुना अधिक उत्पादन होता है। समाज सेवा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्यो की जानकारी मुझे प्रदेश भ्रमण के दौरान मिली।

खरगोन के आस्था ग्राम तथा उज्जैन का सेवाग्राम आश्रम और बड़वानी के आशाग्राम के कार्य ने मानव सेवा माधव सेवा है उसको साकार किया है। इस मानवता के पुनर्वास कार्यों और सहयोग करने वाले व्यक्तियों के संबंध में जाना। आशा ग्राम के लिए निःसंतान महिला दया बाई ने दो एकड़ ज़मीन का दान दिया। जिस पर निर्मित 80 कुटीरों ने कुष्ट रोगियों के जीवन में आशा की नई किरण जागृत की है। आज इन परिवारों की संताने इंजीनियरिंग और पीएससी की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रही है।

मानवता की सेवा का ऐसी ही एक अन्य ज्योति पुंज उज्जैन का सेवा धाम आश्रम है। लगभग 7 एकड़ क्षेत्र में फैले इस सेवा धाम आश्रम में 500 से अधिक शारीरिक, मानसिक, निःशक्त, मनोरोगी, कैंसर, टीबी, एचआईवी, संक्रामक रोग, पीड़ितों की सेवा 73 सेवा धारी पंचशील सिद्धांतों सेवा स्वावलंबन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सद्भाव के आधार पर कर रहे हैं। सेवा धर्म के संकल्प और समर्पण भाव से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष अनुभव आस्था ग्राम खरगोन में हुआ। यह ट्रस्ट 36 गतिविधियां संचालित करता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, दिव्यांग पुनर्वास और सशक्तिकरण के कार्य कर रहा है। पर्यावरण के प्रति भी संस्थान सजग है।

वर्ष 1995 में ट्रस्ट की स्थापना वीरान क्षेत्र में हुई थी। ट्रस्ट के सदस्यों की अथक मेहनत से आज यहां औषधीय पौधे, छायादार पेड़, फलदार पेड़, फूलों के पौधे तथा अनेक प्रकार की सब्जियां और बहुत कुछ है। यहां आने वाले हर व्यक्ति में यह भाव जगाता है कि जब हम दूसरों के बारे में सोचते हैं और उनके लिए कुछ करते हैं तो जो सुख हमें मिलता है उसके सामने धन दौलत का कोई मोल नहीं है। व्यक्तिगत कार्य और समर्पण के साथ कार्य करने वाले सरकारी अथवा गैर सरकारी किसी भी क्षेत्र में रहे उनकी सफलता निश्चित ही है।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों ने बाघ के आक्रमण में मृत संतोष की दो बेटियां प्रियंका और दिव्यांश की शिक्षा, दीक्षा की जिम्मेवारी उठा रहे हैं। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों ने वन क्षेत्र में कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए सर्व सुविधा संपन्न विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। इसी तरह झाबुआ जिले के कलेक्टर ने एक पहाड़ी को पर्यटन स्थल में बदलने का कार्य किया है। हाथी पावा नामक स्थान पर आदिवासियों के देवी, देवताओं के मंदिर थे। कलेक्टर द्वारा यहां पर 8500 हज़ार पौधों का सघन रोपण करवा कर उस इलाके का कायाकल्प कर दिया है।

आज हाथी पावा झाबुआ जिले का पर्यटन स्थल बन चुका है। समाज में सकारात्मक पहल तेजी से प्रसारित होती है। आवश्यकता उसकी पहल की है। भोपाल में 9 अक्टूबर 2018 को भोपाल की मेरी पहल में 2,33,000 से अधिक बच्चों ने जुड़कर विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। इसी तरह टीबी रोगी बच्चों को पोषण आहार उपलब्ध कराकर उपचार में सहयोग की राजभवन से शुरू की गई पहल से प्रेरित प्रदेश के संपन्न समुदाय द्वारा लगभग 13000 टीबी ग्रसित बच्चों गोद लेकर उनको पोषण उपलब्ध कराया है। सात हज़ार अधिक बच्चे टीबी रोग मुक्त हो चुके हैं। इसी तरह सोशल कॉरपोरेट रिस्पांसिबिलिटी के तहत विभिन्न कंपनियों और बैंकों के सहयोग से कुम्हार पुरवा विद्यालय, शासकीय कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल और शासकीय माध्यमिक विद्यालय आँधूपुरा ग्वालियर को सर्व सुविधा संपन्न विद्यालय बन गए हैं।

मैंने प्रदेश के 40 जिलों के प्रवास में उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि के क़रीब 4000 हितग्राहियों से चर्चा की। मुझे यह जानकर सुखद हर्ष हुआ कि इन योजना ने आम आदमी के जीवन स्तर में बहुत सुधार किया है। परिवारों में

खुशहाली आई है। दर्शकों, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से भारत के असली नायकों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। मैं भी आपसे अनुरोध करूंगी कि हमारे प्रदेश की ऐसी प्रतिभाएं और संगठन जो निरंतर समाज सेवा और देश हित के कार्य में निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं समाज को दे रहे हैं, हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रादेशिक समाचार एकांश का गुड न्यूज़ मध्य प्रदेश बुलेटिन आने वाले समय में भी प्रदेश के दूरस्थ अंचलों से इसी तरह की कहानियों को प्रसारित करता रहेगा। ऐसी मैं आशा रखती हूं। और अंत में एक बार फिर आज गुड न्यूज़ बुलेटिन अपने 50 एपिसोड पूरे कर रहा है। इसके लिए आप सब दर्शक भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने ऐसी सकारात्मक खबरों को सराहा है। इसके लिए मैं आप सब की सराहना करती हूं और शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद, जय हिंद।